अमृत पानी // Nectar Water

Supported By

INDIVIDUALL MÄNNISKOHJÄLP
SWEDISH DEVELOPMENT PARTNER

Developed By

MOUNT VALLEY
DEVELOPMENT ASSOCIATION

अमृत पानी का परिचय :

अमृत पानी खाद का प्रयोग फसल को कीड़े से सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। इससे पर्यावरण और जल संरक्षण में काफी लाभ मिलता है। इसके छिड़काव से गेहूं, धान, सब्जी व दलहन की फसल कीड़ों से बची रहती है। अमृत पानी कीड़ों को मारता नहीं है, बल्कि भगाता है। अमृत खाद के इस्तेमाल से रासायनिक खाद की तुलना में कम पानी लगता है। रासायनिक खाद में अगर पांच बार पानी देना पड़ता है तो अमृत पानी खाद में चार बार ही देना पड़ता है। अमृत पानी में फसल के लिए उपयोगी नाइट्रोजन, फोस्फोरोस, पोटास होने से फसल भी अच्छी होती है। अमृत पानी के छिड़काव के बाद यूरिया का उपयोग 60 फीसद तक काम हो जाता है।

अमृत पानी मिट्टी को पुनर्जीवित करता है। पंचगव्य की तरह, अमृत पानी का उपयोग भी मिट्टी की उर्वरता में सुधार के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अमृत पानी बनाने के लिए आवश्यक सामग्री :

20 लीटर का बैरल या नीला ड्रम ढक्कन के साथ

10 लीटर पानी

1-2 किलो डेंकन या नीम के पत्ते

2 लीटर गोमूत्र

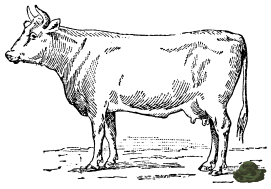

2 किलो गाय का गोबर

आधा किलो गुड़

आधा किलो बेसन

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- पहले, गाय का गोबर 20 लीटर के बैरल या ड्रम में डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- गुड़ के बारीक-बारीक टुकड़े कर, अच्छे से पीस कर 20 लीटर के बैरल/ड्रम में डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- इसके बाद, 2 लीटर गोमूत्र को 20 लीटर के बैरल/ड्रम में डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- इसके बाद, 5 लीटर पानी डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- इसके बाद, 20 लीटर के बैरल/ड्रम में आधा किलो डेंकन/नीम के पत्ते डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- इसके बाद, 20 लीटर के बैरल/ड्रम में आधा किलो बेसन डालें।

अमृत पानी कैसे तैयार करें :

- इसके बाद, बैरल/ड्रम में 5 लीटर पानी डालकर मिश्रण को अच्छे से मिलाएं

अमृत पानी तैयार होने के बाद, ध्यान दें :

- मिश्रण को दिन में कम से कम 3 बार, घड़ी की सुई की दिशा में 12 बार और घड़ी की विपरीत दिशा में 12 बार हिलाएं। यह प्रक्रिया 15 से 18 दिन तक करें।
- 18 दिन के बाद अमृत पानी तैयार हो जायेगा।
- सुनिश्चित करें कि ड्रम या बैरल छाया में हो, यह धूप और बारिश के संपर्क में न हो।
- करीब 1 लीटर अमृत पानी में 10-12 लीटर पानी मिलाकर खेतों में सीक की झाड़ू की मदद से आप फसल के पत्तों और जड़ों में छिड़काव कर सकते हैं।
- 12 लीटर पानी में 1 लीटर अमृत पानी मिलाने के बाद यह मिश्रण लगभग 2 नाली खेत के लिए पर्याप्त होगा।
- अगर किसान स्प्रेयर का उपयोग करना चाहते हैं तो अमृत पानी को छानकर, स्प्रे मशीन में डालकर खेतों में फसल के पत्तों और फसल की जड़ों में डाल सकते हैं।

अमृत पानी तैयार होने के बाद, ध्यान दें :

- अमृत पानी का उपयोग सुबह के समय प्रभावकारी होता है।
- इसका जब भी छिड़काव करें, सुबह के समय करें और यह ध्यान रहे कि उसमें 12 घंटे तक किसी भी प्रकार की बारिश न आये। अगर बारिश हो जाती हैं छिड़काव के बाद, तो अगले दिन सुबह अमृत पानी का फिर से छिड़काव करें क्योंकि बारिश के आने से 12-15 घंटे में वो छिड़काव प्रभावकारी नहीं रहता।
- अमृत पानी हर फसल के लिए और विशेष रूप से नकदी फसलों के लिए फायदेमंद है।
- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें- http://organicterrace.in/blog/amrut-jal-organic- fertilizer-soil-conditioner/

Farming Innovation for Women Empowerment

Village Doni, P.O. Megadhar, Subdivision
Ghansali, District Tehri Garhwal,
Uttarakhand 249155

Contact@mvda.org.in

+91 8392955511

INDIVIDUALL MÄNNISKOHJÄLP
SWEDISH DEVELOPMENT PARTNER

MOUNT VALLEY
DEVELOPMENT ASSOCIATION